nwda.gov.in

नदियों में प्रदूषण रोकने को दो हजार नालों की सफाई पर जोर

- योजना के तहत नालों की सफाई में सहयोग करेगा शहरी कार्य मंत्रालय
- जिला गंगा समितियों पर सवाल, केवल बैठकों से नहीं चलेगा काम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : नदियों के प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए स्वच्छ गंगा राष्ट्रीय मिशन को दो हजार से अधिक नालों की तत्काल सफाई के लिए कहा गया है। मिशन के टास्कफोर्स की पिछले दिनों हुई समीक्षा बैठक में नालों की सफाई का मुद्दा उठा और यह बात रखी गई है कि गंगा-यमुना सरीखी नदियों में प्रदूषण की निगरानी व नियंत्रण के लिए नालों की सफाई का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। इसी के तहत स्वच्छ गंगा राष्ट्रीय मिशन और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय से कहा गया है कि पूरे देश में नालों की सफाई बिना किसी देरी के शुरू की जानी चाहिए।

एक अधिकारी के अनुसार, नालों की सफाई के लिए नए सिरे से योजना तैयार करने की जरूरत है, ताकि उस पर सही तरह अमल भी हो सके और सफाई की निगरानी भी की जा सके। शहरी कार्य मंत्रालय इस काम में स्वच्छ भारत मिशन के तहत सहायता करेगा। एनएमसीजी ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में इन नालों की पहचान की है। बैठक में राज्यों से यह अपेक्षा की गई है कि वे गांवों में नालों की सफाई के लिए खास तौर पर सक्रियता का परिचय दें।

नालों की सफाई के लिए जिला गंगा समितियों के कामकाज का भी मामला उठा। समितियों को अपने कामकाज का दायरा बढ़ाकर ऐसे नालों की पहचान करने के लिए कहा गया है, जो बिना किसी रोक-टोक के दूषित पानी नदियों में उड़ेल रहे हैं। इन समितियों के प्रदर्शन पर पहले भी सवाल उठे हैं।